DR. RAVI PRAKASH SINGH

Dr. Ravi Prakash Singh, a distinguished Scientist (Emeritus) and Senior Advisor, at the International Maize and Wheat Improvement Center (CIMMYT), played a pivotal role in increasing food production and nutritional security in India and many other countries through research, development, and training/education.

2. Born on 24th June, 1957 in Varanasi, Dr. Singh obtained Bachelor's and Master's Degrees in 1977 and 1979 in agriculture from Banaras Hindu University, Varanasi, and then a doctoral degree from the University of Sydney in 1983. He joined CIMMYT in 1983, became distinguished scientist and Head of Global Wheat Improvement in 2005 and continued until retirement in 2022.

3. Leveraging scientific expertise, ingenuity and personal skills of Dr Singh has established unique and extensive multi-disciplinary partnerships, engaging scores of scientists from developed and developing countries and generated products and knowledge on wheat pathology, genetics, breeding, nutrition, genomics and phenomics. He has authored or coauthored, which include 384 referred journal articles and reviews, 36 book chapters/ extension publications and 80 proceedings. He is listed amongst world's top 100 plant science/agronomy scientists by research.com in 2022, 2023 & 2024 and top 1% highly cited scientists during 2017-2021 by Clarivate Analytics- Web of Science.

4. Dr. Singh actively shared his knowledge and skills with over 600 young and 40 senior scientists from Asia, Africa, and Latin America, inspiring them to pursue their agricultural research and development careers in their respective countries. He has contributed to the development of over 730 wheat varieties with public and private sectors partners in 49 countries. Due to their higher yields, climate resilience, and disease resistance, these varieties are grown annually on over 10 crore acres worldwide and ensure food security for over 2 billion people, who are wheat consumers in targeted geographies of Asia, Africa, and Latin America while generating an additional income of more than Rupees eighteen thousand crore for small-holder farmers.

5. Dr. Singh has received numerous awards, including Parvasi Bhartiya Samman Award, Friendship Award by the Chinese Government, Jinding Award by the Government of Sichuan Province- China, Caiyun Award by the Government of Yunnan Province- China, Tianshan Award by the Government of Xinjiang Province- China, CGIAR Outstanding Scientist Award, Shri V.S. Mathur Memorial Award by Society for the Advancement of Wheat and Barley Research, E. C. Stakman Award by University of Minnesota, Lifetime Achievement Award-Norman from Cornell University, Crop Science Research Award and International Service in Crop Science Award by Crop Science Society of America, DBN Science and Technology International Award in Agriculture- China. He is Fellow of American Association for Advancement of Science, American Society of Agronomy, American Phytopathology Society, Crop Science Society of America, and National Academy of Agricultural Sciences- India.

डॉ. रवि प्रकाश सिंह

डॉ. रवि प्रकाश सिंह, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (एमेरिटस) और अंतरराष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र (सी.आई.एम.एम. वाई.टी.) में वरिष्ठ सलाहकार हैं। उन्होंने शोध, विकास और प्रशिक्षण/शिक्षा के माध्यम से भारत और कई अन्य देशों में खाद्य उत्पादन और पोषण सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

2. 24 जून, 1957 को वाराणसी में जन्मे, डॉ. सिंह ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से 1977 और 1979 में क्रमशः कृषि में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की, और फिर 1983 में सिडनी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट किया। वह 1983 में सी.आई.एम.एम.वाई.टी. से जुड़े, 2005 में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और ग्लोबल व्हीट इम्प्रूवमेंट के प्रमुख बने और 2022 में सेवानिवृत्ति तक इस पद पर रहे।

3. डॉ. सिंह की वैज्ञानिक विशेषज्ञता, सरलता और व्यक्तिगत कौशल से विशिष्ट और व्यापक बहु–आयामी साझेदारियां हुई हैं, जिनमें विकसित और विकासशील देशों के कई वैज्ञानिक शामिल हैं। इससे व्हीट पैथोलॉजी, जेनेटिक्स, ब्रीडिंग, पोषण, जीनोमिक्स और फिनोमिक्स में कई उत्पाद और जानकारी सृजित हुई है। उन्होंने लेखन या सह–लेखन किया है, जिसके अंतर्गत जर्नलों में 384 व्यापक आलेख और समीक्षाएं, 36 पुस्तक अध्याय/विस्तार प्रकाशन और 80 प्रोसिडिंग्स शामिल हैं। रिसर्च.कॉम ने उन्हें 2022, 2023 और 2024 में दुनिया के शीर्ष 100 पौध विज्ञानियों/कृषि विज्ञानियों में शामिल किया था और क्लारिवेट एनालिटिक्स– वेब ऑफ साइंस द्वारा उन्हें 2017–2021 के दौरान शीर्ष 1% सर्वाधिक उद्धृत वैज्ञानिकों में शामिल किया गया था।

4. डॉ. सिंह ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 600 से अधिक युवा और 40 वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ अपना ज्ञान और कौशल सक्रिय रूप से साझा किया और उन्हें अपने–अपने देशों में कृषि अनुसंधान और विकास करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 49 देशों में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के साझेदारों के साथ गेहूं की 730 से अधिक किस्मों के विकास में योगदान दिया है। उनकी अधिक पैदावार, जलवायु सहनीयता और रोग प्रतिरोध क्षमता के कारण, दुनिया भर में इन किस्मों को प्रति वर्ष 10 करोड़ एकड़ से अधिक क्षेत्र में बोया जाता है, जिससे एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के लक्षित 2 अरब से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है। साथ ही इससे छोटी जोत वाले किसानों के लिए अठारह हजार करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय सृजित होती है।

5. डॉ. सिंह को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार, चीन सरकार द्वारा मित्रता पुरस्कार, चीन के सिचुआन प्रांत की सरकार द्वारा जिंडिंग पुरस्कार, चीन के यून्नान प्रांत की सरकार द्वारा काइयुन पुरस्कार, चीन के झिंजियांग प्रांत की सरकार द्वारा टियांशन पुरस्कार, सी.जी.आई.ए.आर. उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार, सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ व्हीट एंड बार्ली द्वारा श्री वी.एस. माथुर मेमोरियल अवार्ड, मिनेसोटा विश्वविद्यालय द्वारा ई.सी. स्टकमैन अवार्ड, कॉर्नेल विश्वविद्यालय से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड–नॉर्मन, क्रॉप साइन्स सोसायटी ऑफ अमेरिका द्वारा फसल विज्ञान शोध पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय फसल विज्ञान सेवा पुरस्कार, चीन का डी.बी.एन. साइन्स एंड टेक्नोलॉजी इंटरनेशनल अवार्ड इन एग्रीकल्चर शामिल हैं। वह अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एग्रोनोमी, अमेरिकन फाइटोपैथोलॉजी सोसाइटी, क्रॉप साइंस सोसाइटी ऑफ अमेरिका और नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेस–इंडिया के फेलो हैं।